□□□□ □□□□□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□□ □□□

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3308

12 □□□□, 2019 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

डॉक्टरों द्वारा हड़ताल

3308. श्रीमती पूनमबेन हेमतभाई माडमः
श्री सु° थिरुनवुक्करासरः
श्री दीपक बैजः

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे किः

(क) गत पांच वर्षों के दौरान कद्रीय सरकारी अस्पतालों म को गई हड़तालों का ब्यौरा क्या है और इनम से कितनी हड़ताल परिचरों और डॉक्टरों के बीच विवाद के कारण हुई;

(ख) क्या कद्र सरकार ने हाल म सरकारी अस्पतालों म डॉक्टरों द्वारा किए गए देशव्यापी आंदोलन और हड़ताल पर ध्यान दिया है जिसके फलस्वरूप समय पर ईलाज नहों होने के कारण कई मरीजों को परेशानी हुई और उनको मौत हो गई और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश के विभिन्न भागों म सरकारी अस्पतालों म हड़ताल के कारण कितने मरीजों को मौत हो गई;

(ग) क्या कद्र सरकार ने यह पाया है कि राज्य सरकारों द्वारा प्रदशनकारी डॉक्टरों के प्रति विशेष रूप से असंवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया गया है और यदि हां, तो सरकार को इस पर क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) क्या कद्र सरकार ने कुछ राज्यों म स्थिति को नियंत्रण म लाने के लिए हस्तक्षेप करने सहित डॉक्टरों को हड़ताल को रोकने के लिए कोई कारवाई को है और डॉक्टरों को मांगों पर कारवाई के लिए कोई अनुदेश जारी किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) कद्र सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए कि भविष्य म ऐसी कोई हड़ताल न हो जिससे मरीजों को असुविधा/परेशानी न हो अन्य कौन से कदम उठाए गए ह?

□त□□

स□□स्थ्य □□ □□□□□ □ल□□ □□ज□ □त्री (श्री □□श्वि□□ □□□□ □□□)□

(क): कद्र सरकारी अस्पतालों म विगत पांच वर्षों के दौरान सूचित को गई हड़तालों (दिनों म) का विवरण निम्नतवत है:

	2015	2016	2017	2018	2019(आज को तारीख तक(
सफदरजंग अस्पताल	उपलब्ध नहों	01	01	02	04
एलएचएमसी व संबद्ध अस्पताल	01	01	शून्य	शून्य	01
डॉराम मनोहर . ताललोहिया अस्प	शून्य	02	शून्य	शून्य	02

रोगी के परिचरों और डॉक्टरों के बीच विवाद के कारण विगत पांच वर्षों के दौरान को गई हड़तालों (दिनों म) का विवरण निम्नतवत है:

	2015	2016	2017	2018	2019 आज को) (तारीख तक
सफदरजंग अस्पताल	उपलब्ध नहों	शून्य	शून्य	शून्य	04
एलएचएमसी व संबद्ध अस्पताल	शून्य	01	शून्य	शून्य	01
डॉराम मनोहर . ताललोहिया अस्प	शून्य	02	शून्य	शून्य	02

(ख) जहां तक दिल्ली स्थित कद्र सरकारी अस्पतालों नामत: सफदरजंग अस्पताल, डॉ. राम मनोहर लोहिया, लेडी हार्डिग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी) और संबद्ध अस्पतालों का प्रश्न है, हड़ताल के कारण अस्पताल को आपात सेवाएं बाधित नहों हुई थी। आपात कालीन सेवा म आने वाले सभी रोगियों को देखा गया और उपचार दिया गया था। हड़ताल के कारण यथासमय चिकित्सा उपचार को अनुपलब्धता के कारण किसी रोगी को मृत्यु नहों हुई थी।

(ग) से (ङ) स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए कद्र द्वारा ऐसी सूचना नहों रखी जाती है। तथापि, अस्पताल म ड्यूटी पर तैनात डाक्टरों को सुरक्षा और बचाव सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार को उपयुक्त उपाय करने के लिए समय समय पर अनुरोध किया है।
भविष्य म हड़ताल के कारण रोगियों को होने वाली असुविधा/पीड़ा को रोकना सुनिश्चित के लिए सरकार/ अस्पतालों ने निम्नलिखित उपाय किए है:

(i) डॉक्टरोंरोगियों के साथ हाथापाई को किसी भी घटना से बचने के लिए सुरक्षा /फस्टा/ को सुदृढ़ किया गया है, सुरक्षा कर्मियों को संख्या म बढ़ोत्तरी को गई है, त्वरित प्रतिक्रियात्मक टीमों का गठन किया गया है (आरटीक्यू), सीसीटीवी कैमरे इत्यादि लगाए गए ह।

(ii) नाजुक एवं आपात स्थितियों म मरीजों से निपटने के लिए डॉक्टरों को सॉफ्ट स्किल्स का प्रशिक्षण देना;

(iii) डॉक्टरोंफ को संवेदनशील बनाने तथा ऐसी किसी भी स्थिति से बचनेस्टा/नर्सा/, जिससे इन अस्पतालों म रोगी परिचया सेवा म बाधा उत्पन्न हो सकती है,के लिए अस्पताल प्राधिकारियों द्वारा समयसमय पर परिपत्र जारी किए जाते ह।-

*****